# Report on Career Counselling Programme: "Self-Employment and Prosperity in Rural Areas"

**Organized by:** Career Counselling Cell, Department of Economics and Department of Botany
**Venue:** Multipurpose Hall, Government Post Graduate College, Berinag
**Date:** 28 April 2026 (Tuesday)
**Time:** 11:00 A.M. onwards..
**Mode:** Offline and Online (Google Meet)

Government Post Graduate College, Berinag organized a highly informative and inspiring programme on **"Self-Employment and Prosperity in Rural Areas"** under the joint aegis of the Career Counselling Cell, Department of Economics, and Department of Botany. The programme was conducted in the Multipurpose Hall of the college with the aim of guiding students towards self-employment opportunities and encouraging the effective use of local resources for economic self-reliance and rural development.

The programme was organized under the guidance of the Principal, **Prof. B. M. Pandey**. A large number of students, teachers, and guests participated in the event both offline and through online mode via Google Meet. The programme created a positive academic atmosphere and encouraged students to think about innovative career opportunities in rural areas.

The Chief Guest of the programme was **Prof. Vishwanath Khali**, Director of Higher Education, Uttarakhand. In his inaugural address, he emphasized the importance of self-employment and entrepreneurship for the youth of rural areas. He stated that in the present time, depending only on traditional government jobs is not sufficient, and students should also focus on skill development, innovation, and entrepreneurship.

Prof. Khali highlighted the great possibilities available in Uttarakhand in areas such as agriculture, horticulture, dairy farming, organic farming, animal husbandry, medicinal plants, and rural tourism. He motivated students to make proper use of local resources and modern technology to create employment opportunities for themselves and for society. He also stressed the importance of the "Atmanirbhar Bharat" vision and the role of educated youth in strengthening the rural economy.

The main speaker of the programme was **Mr. Rajendra Singh Bisht**, founder of the Himalayan Rural Development Committee and member of the Minority Commission, Uttarakhand. He delivered a detailed lecture on employment opportunities in rural areas and explained various practical ways through which young people can become self-reliant.

He discussed the importance of self-help groups, cooperative societies, savings systems, and loan facilities in improving rural livelihoods. He also explained how activities such as dairy farming, goat farming, vegetable production, and small-scale rural industries can become strong sources of income and employment. His speech inspired students to explore local opportunities instead of depending entirely on urban employment.

The special guest speaker, **Mr. Girish Chandra Joshi**, a social worker, natural farming promoter, and vlogger, delivered an interesting lecture on natural and organic farming methods. He explained that the demand for organic products is increasing rapidly and that the hill regions of Uttarakhand have excellent potential for organic agriculture.

Mr. Joshi also shared practical knowledge about low-cost farming techniques, organic manure preparation, and the marketing of local products through digital platforms and social media. He encouraged students to use modern communication tools for promoting rural products and developing entrepreneurship. His lecture provided valuable practical knowledge to the students.

During the interactive session, students enthusiastically asked questions related to career opportunities, agriculture-based entrepreneurship, government schemes, and rural development. The speakers answered their questions in a very simple and motivating manner. The session helped students gain awareness about self-employment schemes, skill development opportunities, and sustainable rural livelihoods.

In his presidential address, Principal **Prof. B. M. Pandey** appreciated the efforts of the organizing departments and stated that such programmes are very important for the overall development of students. He said that self-employment not only strengthens the economy but also helps in reducing migration from rural areas. He encouraged students to identify local opportunities and work for the development of their villages and society.

The programme was successfully conducted with the active support of faculty members including **Dr. J. N. Pant, Dr. Rashmi Selwal, Dr. Pradeep Dugapal, Dr. B. S. Bisht, Dr. Mahesh Vishwakarma, Dr. Pramesh Tatta, and Dr. Leeladhar Mishra**. The stage proceedings were efficiently conducted by **Dr. Leeladhar Mishra**.

At the end of the programme, **Dr. Rashmi Selwal**, Head of the Department of Economics, delivered the vote of thanks and expressed gratitude to all the guests, speakers, faculty members, and students for their participation and cooperation.

Overall, the programme proved to be highly successful, informative, and inspiring for the students. It encouraged rural youth to think positively about self-employment, entrepreneurship, and sustainable development. The event also strengthened awareness about the importance of local resources, innovation, and skill-based employment in building a self-reliant rural society.

## Glimpses of the Programme:

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग
(पियोसागढ़)

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग
(पियोसागढ़)

## Media Coverage:

# करियर के लिए छात्रों का किया मार्गदर्शन

**बेरीनाग।** राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में प्राचार्य प्रो.बीएम पाण्डेय की अध्यक्षता में ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार व समृद्धि विषय पर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु करियर कॉउंसलिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय करियर काउंसलिंग सेल, वनस्पति विज्ञान विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक (उच्च शिक्षा) उत्तराखंड प्रो. बीएन खाली रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रो. खाली ने कार्यक्रम को अति महत्वपूर्ण बताते हुए महाविद्यालय परिवार एवं समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिमालयन ग्रामीण विकास समिति के संस्थापक तथा अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य राजेन्द्र सिंह बिष्ट तथा विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी गिरीश चन्द्र जोशी रहे। इस दौरान मुख्य वक्ता राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में समूह गठन एवं संचालन प्रक्रिया, समूहों की बचत एवं ऋण लेन-देन का विवरण, सहकारिताओं का गठन एवं प्रशिक्षण, पशु-पालन एवं डेयरी, बकरी पालन, सब्जी उत्पादन आदि रोजगार से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं को विद्यार्थियों के समक्ष साझा किया। विशिष्ट वक्ता गिरीश चन्द्र जोशी ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती की विधियों के बारे में चर्चा कर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया।

अध्यक्षीय सम्बोधन में प्राचार्य प्रो.बीएम पाण्डेय ने ग्रामीण क्षेत्रों की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिये ज्ञानवर्धक बताया। इस दौरान डा. जेएन पंत, डा. रश्मि सेलवाल, डा. प्रदीप दुर्गापाल, डा. बीएस बिष्ट, डा. महेश विश्वकर्मा, डा. प्रमेश टम्टा, डा. लीलाधर मिश्र आदि मौजूद रहे।

# बेरीनाग महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए करियर कॉउंसलिंग का आयोजन

रूद्र टाइम्स

बेरीनाग (पिथौरागढ़) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय की अध्यक्षता में ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार व समृद्धि विषय पर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु करियर कॉउंसलिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय करियर काउंसलिंग सेल,वनस्पति विज्ञान विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक(उच्च शिक्षा) उत्तराखंड प्रोफेसर बी.एन. खाली रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए प्रोफेसर खाली ने कार्यक्रम को अति महत्वपूर्ण बताते हुए महाविद्यालय परिवार एवं समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिमालयन ग्रामीण विकास समिति के संस्थापक तथा अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य राजेन्द्र सिंह बिष्ट तथा विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी गिरीश चन्द्र जोशी रहे। कार्यक्रम के शुरुआत में सर्वप्रथम वनस्पति विज्ञान विभाग के विभाग प्रभारी डॉ. जे.एन. पंत ने मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट वक्ता की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उनका परिचय कराया तथा समस्त प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की। मुख्य वक्ता राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर के बारे में विद्यार्थियों

को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में समूह गठन एवं संचालन प्रक्रिया, समूहों की बचत एवं ऋण लेन-देन का विवरण, सहकारिताओं का गठन एवं प्रशिक्षण, पशु-पालन एवं डेयरी, बकरी पालन, सब्जी उत्पादन आदि रोजगार से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं को विद्यार्थियों के समक्ष साझा किया। बिष्ट ने जल स्रोत की साफ-सफाई ,वर्षा जल -संग्रहण आदि से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की तथा उसके निराकरण का सुझाव दिया। विशिष्ट वक्ता गिरीश चन्द्र जोशी ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती की विधियों के बारे में चर्चा कर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में फसल चक्र को भी विस्तार से बताया। अध्यक्षीय सम्बोधन में प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय ने ग्रामीण क्षेत्रों की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिये ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन मंडल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में अर्थशास्त्र विभाग की विभाग प्रभारी डॉ. रश्मि सेलवाल ने मुख्य वक्ता समेत समस्त प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में करियर कॉउंसलिंग सेल के डॉ. प्रदीप दुर्गापाल, डॉ. बी. एस. बिष्ट, डॉ. महेश विश्वकर्मा तथा डॉ. प्रमेश टम्टा ने सराहनीय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर गिरीश चन्द्र पंत समेत अन्य महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।